

राज्य पात्रता परीक्षा-2024

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इन्दौर एच्छक प्रश्न पत्र - II

Code No. :

विषय: दर्शनशास्त्र

पाठ्यक्रम

इकाई-1 पारम्परिकभारतीय ज्ञान मीमांसा और तत्व मीमांसा

- वैदिक एवं औपनिषदिक: ऋत -विश्व व्यवस्था, देवी एवं मानवीय परिक्षेत्र, यज्ञ(बलि)संस्थान की केंद्रीयभूतता, सृष्टि सिद्धान्त, आत्मा, जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति तथा तुरीय, ब्रह्मा।
- चार्वाक : प्रत्यक्षमात्र प्रमाण, अनुमान एवं शब्द की समीक्षा, उपोत्पाद के रूप में चेतना।
- जैनदर्शन: सत्ता (Satta) की अवधारणा - सत्, द्रव्य, गुण, पर्याय, जीव, अजीव, अनेकांतवाद, स्याद्वाद तथा नयवाद; ज्ञानमीमांसा।
- बौद्धधर्म- चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग, ब्राह्मण एवं भ्रमण परम्परामें भेद, प्रतीत्य समुत्पाद, क्षणभंगवाद, अनात्मवाद। बौद्धदर्शन के सम्प्रदाय, वैभाषिक, सौत्रांतिक, योगाचार माध्यमिक तथा तिव्वती बौद्धदर्शन।
- न्याय: प्रमा तथा अप्रमा, प्रमाण के सिद्धान्त: प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द। हेत्वाभासा। ईश्वर की अवधारणा। बौद्ध और न्याय की प्रमाण व्यवस्था तथा प्रमाण संप्लव के विषय में विवाद। अन्यथाख्याति।
- वैशेषिक: पदार्थ की अवधारणा तथा इसके प्रकार, असत्कार्यवाद, कारण के प्रकार, समवायि, असमवायी, तथा निमित्त कारण, परमाणुकारणवाद।
- सांख्य : सत्कार्यवाद, प्रकृति और उसके उद्भूत, प्रकृति के अस्तित्व की सिद्धि हेतु युक्तियाँ, पुरुष का स्वरूप, पुरुष के अस्तित्व और बहुलता के लिए युक्तियाँ, पुरुष और प्रकृति के बीच संबंध, निरीश्वरवाद।
- योग : पंतजलि द्वारा प्रतिपादित प्रमाण का सिद्धान्त, चित्त की अवधारणा और चित्तवृत्तियाँ, चित्तभूमियाँ, योग में ईश्वर की भूमिका।
- पूर्व-मीमांसा : प्रामाण्यवाद : स्वतःप्रामाण्यवाद तथा परतःप्रामाण्यवाद, श्रुति तथा इसका महत्त्व, श्रुति-वाक्यों का वर्गीकरण, विधि, निषेध, और अर्थवाद, धर्म, भावना, शब्द-नित्यवाद, जाति, शक्तिवाद; मीमांसा के कुमारिल एवं प्रभाकर सम्प्रदाय तथा उनके प्रमुख मतभेद, त्रिपुटी- संवित, ज्ञातता, अभाव और अनुपलब्धि, अन्विताभिधानवाद, अभिहितान्वयवाद, भ्रम के सिद्धान्त: अख्याति, विपरीत ख्याति; निरीश्वरवाद।

- वेदान्तः
- अद्वैत : ब्रह्म, ब्रह्म और आत्मा के बीच सम्बन्ध, सत्ता त्रैविध्य, अध्यास, माया, जीव, विवर्तवाद, अनिवर्चनीय-ख्याति
- विशिष्टाद्वैत : सगुण ब्रह्म, माया का निराकरण, अपृथकसिद्धि, परिणामवाद, जीव, भक्ति एवं प्रपत्ति, ब्रह्म-परिणामवाद, सत्ख्याति।
- द्वैत : निर्गुण ब्रह्म तथा माया का निराकरण, भेद तथा साक्षी, भक्ति
- द्वैताद्वैत : ज्ञानस्वरूप की अवधारणा, निर्जीव के प्रकार
- शुद्धाद्वैत : अतिकृत-परिणामवाद की अवधारणा

इकाई-II पारम्परिक पाश्चात्य दर्शनः प्राचीन, मध्यकालीन, तथा आधुनिक : ज्ञान मीमांसा तथा तत्व मीमांसा

सुकरात-पूर्व दार्शनिकः थेल्स, अनेक्सागोरस, अनाकजमेनीज, आयोनियस, पायथागोरस, पारमेनाइडीज़, हेराक्लिटस और डेमोक्रीटस।

सोफिस्ट और सुकरात

प्लेटो और अरस्तू :

- प्लेटो : ज्ञान मीमांसा, ज्ञान और मत, प्रत्यय के सिद्धान्त, द्वन्द्वात्मक पद्धति, आत्मा और ईश्वर।
- अरस्तू : विज्ञानों का वर्गीकरण, सैद्धान्तिक, व्यावहारिक तथा उत्पादक, अन्वीक्षिकी के रूप में तर्कशास्त्र, प्लेटो के प्रत्यय सिद्धान्त की मीमांसा, कारणता का सिद्धान्त, आकार एवं जड़ द्रव्य, संभाव्यता एवं वास्तविकता, आत्मा और ईश्वर।

मध्यकालीन दर्शनः

- संत ऑगस्टाइनः अशुभ की समस्या
- संत एन्सेल्म : सत्तामूलक तर्क
- संत थॉमस एक्विनासः आस्था और तर्कबुद्धि, सार एवं अस्तित्व, ईश्वर का अस्तित्व

आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

- डेकार्त : दार्शनिक पद्धति की संकल्पना, सत्यकी कसौटी, संदेह तथा संशय-पद्धति, 'कोजिटो इगो सम', जन्मजात संप्रत्यय, देकार्तवादी द्वैतवादः मन तथा जड़ द्रव्य, ईश्वर के अस्तित्व हेतु प्रमाण, क्रिया-प्रतिक्रिया वाद।
- स्पिनोजाः द्रव्य, गुण व पर्याय, ईश्वर अथवा प्रकृति की अवधारणा, ईश्वर के प्रति बौद्धिक प्रेम, समानांतरवाद, सर्वेश्वरवाद, ज्ञान के तीन स्तर।
- लाइबनिज़ः चिद्गुणवाद, तर्कबुद्धि और तथ्य के सत्य, प्रत्ययों की जन्मजातता, ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रमाण, अब्याघात, पर्याप्त कारण और अदृश्यों के अभेद के सिद्धान्त, पूर्व-स्थापित सामंजस्य का सिद्धान्त, स्वतन्त्रता की समस्या।
- लॉक : प्रत्यय तथा उनका वर्गीकरण, सहज प्रत्ययों का खण्डन, द्रव्य सिद्धान्त, प्राथमिक एवं गौण गुणों के बीच अन्तर, ज्ञानमीमांसा, ज्ञानके तीन स्तर।

Shame

- बर्कले : प्राथमिक तथा गौण गुणों का खंडन, अभौतिकवाद, अमूर्त प्रत्ययों की आलोचना, सत्ता-दृश्यता, अहंमात्रतावाद की समस्या, ईश्वर और आत्मा ।
- ह्यूम : संस्कार एवं प्रत्यय, प्रत्ययों के संबंध से संबंधित ज्ञान तथा तथ्य से संबंधित ज्ञान, आगमन तथा कारणता, बाह्यजगत एवं आत्मा, वैयक्तिक अनन्यता, तत्वमीमांसा का खण्डन, संशयवाद, बुद्धि और वासनाएँ।
- काण्ट: समीक्षात्मक दर्शन, निर्णयों का वर्गीकरण, संक्षेपणात्मक प्रागनुभविक निर्णयों की संभावना कोपनिर्णीय क्रान्ति, संवेदन-शक्ति के आकार, बुद्धि-विकल्प, बुद्धि-विकल्पोंका तत्वमीमांसीय एवं अतीन्द्रिय निगमन, व्यवहार तथा परमार्थ, तर्कबुद्धि के प्रत्यय - आत्मा, ईश्वर तथा विश्व की समग्रता, परिकल्पनात्मक तत्त्व मीमांसा का खण्डन।
- हेगल :आत्मा की अवधारणा, द्वन्द्वात्मक प्रणाली, सत्, असत् तथा संभवन की अवधारणा, निरपेक्ष प्रत्ययवाद, स्वतंत्रता।

इकाई-III भारतीय नीतिशास्त्र

- पुरुषार्थ, श्रेयस तथा प्रेयस की अवधारणा
- वर्णाश्रम, धर्म, साधारण धर्म
- ऋण तथा यज्ञ, कर्तव्य की अवधारणा
- कर्मयोग, स्थितप्रज्ञ, स्वधर्म, लोकसंग्रह
- अपूर्व तथा अदृष्ट
- साध्य - साधन, इतिकर्तव्यता
- कर्म के नियम, नीतिपरक निहितार्थ
- ऋत और सत्य
- योग-क्षेम
- अष्टांग योग
- जैनवाद: संवर-निर्जरा, त्रि-रत्न, पंच-व्रत
- बौद्धवाद: उपाय कौशल, ब्रह्मविहार: मंत्री, करुणा, मुदिता, उपेक्षा. बोधिसत्व
- चार्वाक का सुखवाद

इकाई-IV पाश्चात्य नीतिशास्त्र

- प्रयोजनवादी तथा अप्रयोजनवादी सिद्धान्तों में प्रतिपादित शुभ, अधिकार, न्याय, कर्तव्य, दायित्व, मूल सदगुण, आत्म-पूर्णतावाद तथा अन्तःप्रज्ञा की संकल्पनाएँ।
- अहंवाद, परार्थवाद, सार्वभौमिकवाद
- व्यक्तिनिष्ठतावाद, सांस्कृतिक सापेक्षतावाद, अति-प्रकृतिवाद
- नैतिक यथार्थ, अन्तःप्रज्ञावाद
- कांट द्वारा प्रतिपादित नैतिक सिद्धान्त, नैतिकता की पूर्व मान्यताएं, शुभसंकल्प, निरपेक्ष आदेश, कर्तव्य, साधन और साध्य, सूक्तियाँ।
- उपयोगितावाद: उपयोगिता का सिद्धान्त, नैतिकता को संस्वीकृत करने तथा न्यायसंगत ठहराने की समस्या, उपयोगितावाद के प्रकार, बेंथम, जे.एस.मिल, सिडविक, बर्नर्ड विलियम्स के नैतिक सिद्धान्त।
- दंड के सिद्धांत

Sham

- नैतिक संज्ञानवाद तथा असंज्ञानवाद, संवेगवाद, आदेशवाद, वर्णनवाद।

इकाई-V समकालीन भारतीय दर्शन

स्वामी विवेकानन्दः व्यावहारिक वेदान्त, सार्वभौमिक धर्म, धार्मिक अनुभव, धार्मिक अनुष्ठान
 श्री अरविन्दः विकास, मन एवं अतिमनस, समग्र योग
 मुहम्मद इकबालः आत्म, ईश्वर, मानव तथा अतिमानव, बुद्धि तथा अन्तःप्रज्ञा
 रविन्द्रनाथ टैगोरः मानवधर्म, शिक्षा सम्बन्धी विचार, राष्ट्रवाद की अवधारणा
 के सी भट्टाचार्यः विचारों में स्वराज, दर्शनकी अवधारणा, स्वतन्त्रता के रूप में ज्ञाता, मायावाद
 सर्वपल्ली राधाकृष्णनः बुद्धि तथा अन्तःप्रज्ञा, जीवन का आदर्शवादी दृष्टिकोण, सार्वभौमिक धर्म की
 संकल्पना, जीवन के प्रति हिन्दू-दृष्टिकोण
 जे.कृष्णमूर्तिः विचार प्रत्यय, ज्ञात से स्वतन्त्रता, आत्म का विश्लेषण, विकल्प विहीन जागरूकता
 महात्मा गाँधीः सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, स्वराज, आधुनिक सभ्यता की समीक्षा
 भीमराव अम्बेडकरः जाति का उच्छेदन, हिन्दूवाद का दर्शन, नवबुद्धवाद
 दीनदयाल उपाध्यायः समग्रमानववाद, अद्वैत वैदान्त, पुरुषार्थ
 नारायण गुरुः आध्यात्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक समानता, एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर
 तिरुवल्लूरः तिरुक्कुरल
 ज्योतिबा फूलेः जाति व्यवस्था का महत्वपूर्ण बोध
 एम एन रायः उग्र मानवतावाद, भौतिकवाद
 मौलाना आजादः मानवतावाद
 संत कवि भीमा भोईः महिमा धर्म का सामाजिक - नैतिक परिपेक्ष्य
 स्वामी दयानन्द सरस्वतीः भारतीय पद्धति दर्शन समन्वय, त्रैतवाद(ईश्वर, जीव एवं प्रकृति)

इकाई-VI समकालीन पाश्चात्य दर्शन

विश्लेषणात्मक एवं महाद्वीपीय दर्शन

फ्रेगोः अर्थ और संदर्भ

तार्किक प्रत्यक्षवादः अर्थ का सत्यापन सिद्धांत, तत्व भीमांसा का निरसन, दर्शन की अवधारणा

मूरः अर्थ एवं संदर्भ के बीच अन्तर, प्रत्ययवाद का खण्डन, सामान्य बुद्धि के पक्ष में तर्क, बाह्य-विश्व का प्रमाण

रसेलः तार्किक अणुवाद, निश्चयात्मक वर्णन, प्रत्ययवाद का खण्डन

विट्गेस्टाइनः भाषा और सत्ता, तथ्य और चीजें, नाम तथा प्रतिज्ञाति, चित्र सिद्धान्त, निजी भाषा की आलोचना, अर्थ तथा प्रयोग, जीवन के आकार, दर्शन की धारणा, विट्गेस्टाइन का आस्थावाद, ऑन सर्ट्टी

गिल्बर्ट राइलः योजनाबद्ध भ्रामक अभिव्यक्तियां; कोटि-दोष, मन की अवधारणा, देकार्तवादी द्वैतवाद की भीमांसा

ए जे ऐयरः ज्ञान की समस्या

डब्ल्यू वी ओ क्वाइनः अनुभववाद की दो हटधर्मिताएं

एच पी ग्राइस तथा पी एफ स्ट्रासनः हटधर्मिता सिद्धांतों की रक्षा

संवृत्तिशास्त्र एवं अस्तित्ववाद

हुसर्लः सांवृत्तिक पद्धति, दर्शनशास्त्र एक दृढ़ विज्ञान के रूप में, विषय-सापेक्षता; सांवृत्तिक अपचयन, अन्तर्विषयता

हाईडेगर: मानव-अस्तित्व (डासीन) की अवधारणा, विश्व में सत् के रूप में मनुष्य, प्रौद्योगिकीय सभ्यता की आलोचना

किर्केगार्ड: सत्य के रूप में आत्मनिष्ठता, आस्था की छल्लोंग

सार्त्रे: स्वतन्त्रता की अवधारणा, गन्दी आस्था, मानवतावाद

मार्ले पोंटी: प्रत्यक्ष बोध, अन्तर्भूत चेतनता

अर्थक्रियावाद:

विलियम जेम्स: अर्थ तथा सत्य के अर्थक्रियावादी सिद्धान्त, धार्मिक अनुभव के विविध प्रकार

जॉन डी वी: सत्य की अवधारणा, सर्वनिष्ठ आस्था, शिक्षा

उत्तर आधुनिकतावाद:

नीत्शे: प्रबुद्धता की समालोचना, शक्ति का संकल्प, नैतिकता की वंशावली

रिचर्ड रॉटी: प्रतिनिधित्ववाद की आलोचना, ज्ञान-मीमांसीय विधि के विरुद्ध, उपदेशात्मक (इडिफायिंग) दर्शन

इम्मेनुअल लेविनस: नैतिकता प्रथम दर्शन के रूप में, 'अन्य' का दर्शन

इकाई-VII सामाजिक तथा राजनीतिक दर्शन: भारतीय

महाभारत: दण्ड नीति, आधार, राजधर्म, कानून और प्रशासन, राजा युधिष्ठिर को नारद के प्रश्न कौटिल्य: संप्रभुता, राज्य शिल्प के सात स्तम्भ, राज्य, समाज, सामाजिक जीवन, राज्य प्रशासन, राज्य की अर्थव्यवस्था, विधि और न्याय, आन्तरिक सुरक्षा, कल्याण और विदेश नीति

कामन्दकीय: सामाजिक व्यवस्था और राज्य के तत्व

संवैधानिक नैतिकता, धर्म निरपेक्षता और मौलिक अधिकार

संविधानवाद, पूर्ण क्रांतिवाद, आतंकवाद, स्वदेशी, सत्याग्रह, सर्वोदय, सामाजिक लोकतन्त्र, राज्य का समाजवाद, सकारात्मक क्रिया, सामाजिक न्याय

सामाजिक संस्थाएँ: परिवार, विवाह, सम्पत्ति, शिक्षा और धर्म

उपनिवेशवाद

इकाई-VIII सामाजिक और राजनीतिक दर्शन: पाश्चात्य

प्लेटो: आदर्श राज्य तथा न्याय

लॉक, हाब्स, रूसो: सामाजिक संविदा सिद्धान्त

एसाय बर्लिन: स्वतन्त्रता की अवधारणाएँ

वर्नार्ड विलियम्स: समानता का विचार

उदारतावाद: राल्स: वितरणात्मक न्याय; नॉजिक: पात्रता के रूप में न्याय, डोर्किन: समानता के रूप में न्याय; अमर्त्य सेन: वैश्विक न्याय, स्वतन्त्रता तथा सक्षमता

मार्क्सवाद: द्वंद्वात्मक भौतिकवाद, परकीयन, पूंजीवाद की आलोचना, वर्ग संघर्ष और वर्गहीन समाज का सिद्धान्त

समुदायवाद: स्व-उदार की समुदायपरक आलोचना, सार्वभौमिकवाद बनाम विशेषवाद

चार्ल्स टेलर का सिद्धान्त, मैकइंटायर, माइकेल संडल का सिद्धान्त

बहुसंस्कृतिवाद: चार्ल्स टेलर: पहचान की राजनीति, विल किमलिका; अल्पसंख्यक अधिकार की अवधारणा

नारीवाद: मूलभूत संकल्पनाएं, पितृतंत्र, नारी द्वेष, लिंग, नारीवाद के सिद्धान्त; उदारतावादी, समाजवादी, उग्रवादी तथा पारिस्थितिकीय-नारीवाद।

इकाई-IX तर्कशास्त्र

सत्य और वैधता

वस्तुवर्ध और गुणार्थ

प्रतिज्ञसियोंकी प्रकृति

निरपेक्ष न्याय वाक्य

विचार के नियम

प्रतिज्ञसियों का वर्गीकरण

परम्परागत विरोध वर्ग

सत्यता-फलन तथा प्रतिज्ञसिपरक तर्कशास्त्र

परिमाणन और परिमाणन के नियम

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र: प्रतीकों का प्रयोग

निर्णय प्रक्रियाएं: सत्यता सारिणी, युक्तियों की वैधता के परीक्षण हेतु सत्यता सारिणियों का प्रयोग

वेन आरेख, अनौपचारिक एवं औपचारिक तर्क दोष

वैधता का परीक्षण तथा युक्ति और युक्ति आकार

स्वयं सिद्धि प्रणाली, संगति, पूर्णता

निगमनात्मक एवं आगनात्मक तर्कशास्त्र में भेद

इकाई-X अनुप्रयुक्त दर्शन शास्त्र

अनुप्रयुक्त दर्शन शास्त्र क्या है?

प्रौद्योगिकी का दर्शन; प्रौद्योगिकी, प्रभुत्व, शक्ति तथा सामाजिक असमानताएं

प्रौद्योगिकियों का लोकतन्त्रीयकरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का लोक मूल्यांकन

सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और अप्रौद्योगिकी का नीतिशास्त्रीय निहितार्थ

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र: साधन अथवा साध्य के रूप में प्रकृति, आल्डो-लियोपोल्ड: भूनीतिशास्त्र, अर्नेनेस:

गहन पारिस्थितिकी, पीटर सिंगर: जानवरों के अधिकार

आयुर्विज्ञान का नीतिशास्त्र: स्थानापन्न मातृत्व, चिकित्सक-मरीज संबंध, गर्भपात, इच्छामृत्यु, कन्या भ्रूण-हत्या

व्यावसायिक नीतिशास्त्र: व्यवसायिक प्रशासन, तथा नैतिक उत्तरदायित्व

मीडिया नीतिशास्त्र: निजीगोपनीयता, साइबर स्पेस, अक्षील विवरण (पोर्नोग्राफी) से सम्बंधित नैतिक मुद्दे,

प्रतिनिधित्व तथा मतभेद, पार्श्वीकरण

विधिक नीतिशास्त्र: विधि और नैतिकता, विधिक दायित्व, विधि का प्राधिकार और अधिमान्यता

दार्शनिक परामर्शन: दैनिक समस्याओं का प्रबन्धन

MPPSC - SET-2024
Subject : PHILOSOPHY
Optional - Paper - II

SYLLABUS

Subject : PHILOSOPHY

Code No. :

Unit – 1: Classical Indian: Epistemology and Metaphysics

- **Vedic and Upaniṣadic:** *Ṛta* – the cosmic order, the divine and the human realms; the centrality of the institution of *yajña* (sacrifice), theories of creation *Ātman* – Self (and not – self), *Jāgrat*, *Svapna*, *Susupti* and *turiya*, *Brahman*.
- **Cārvāka :** *Pratyakṣa* as the only *pramāṇa*, critique of *anumāna* and *śabda*, Consciousness as epi-phenomenon.
- **Jainism :** Concept of reality – *sat*, *dravya*, *guṇa*, *paryāya*, *Jiva*, *ajiva*, *anekāntavāda*, *syādvāda* and *nayavāda*; theory of knowledge.
- **Buddhism :** Four Noble Truths, *Āstāngika Mārga*, Distinction between *Brahmiṇic* and *Śramiṇic* traditions. *Pratityasamutpāda*, *kṣaṇabhahgavāda*, *anātmavāda*. Schools of Buddhism : *Vaibhāṣika*, *Sautrāntika*, *Yogacāra*, *Mādhyamika* and Tibetan Buddhism.
- **Nyāya :** *Pramā* and *apramā*, Theories of *pramāṇa*: *pratyakṣa*, *anumāna*, *upamana*, *śabda*. *Hetvabhāsa*. Concept of God. Debate between Buddhism and Nyāya about *Pramāṇa-Vyavasthā* and *Pramāṇa Samplava*. *Anyathākhyati*.
- **Vaiśeṣika :** Concept of *padārtha* and its kinds, *Asatkāryavāda*, Kinds of *Kāraṇa*: *samavāyi*, *asamavāyi*, and *nimitta kāraṇa*, *paramaṇukaraṇavāda*.
- **Sāṃkhya :** *Satkāryavāda*, *prakṛti* and its evolutes, arguments for the existence of *prakṛti*, nature of *puruṣa*, arguments for the existence and plurality of *puruṣa*, relationship between *puruṣa* and *prakṛti*, atheism.
- **Yoga :** Patañjali's Theory of *Pramāṇa*, concept of *śitta* and *śitta* – *vṛtti*, stages of *śittabhumi*, the role of God in Yoga.
- **Purva – Mīmāṃsā :** *Pramāṇyavāda*: *Svataḥ-pramāṇyavāda* and *Parataḥ-pramāṇyavāda*, *Śruti* and its importance, classification of *śruti-vākyas*, *vidhi*, *niśedha* and *arthavāda*, *dharma*, *bhāvanā*, *śabda-nityavāda*, *Jāti*, *śaktivāda*; Kumārila and Prabhākara Schools of Mīmāṃsā and their major points of difference, *triputi* – *samvit*, *jñātatā*, *abhāva* and *anupalabdhi*, *anvitadbhidhanavāda*, *abhihitavayavavāda*, Theories of error: *Akhyāti*, *Viparitakhyāti*, atheism.
- **Vedānta:**

Sham

- **Advaita** : *Brahmaṇ*, relation between *Brahmaṇ* and *Ātman*, three grades of *sattā*, *Adhyāṣa*, *māya*, *Jiva*, *Vivartavāda*, *Anirvachniya-khyāti*.
- **Viśiṣṭādvaita** : *Saguṇa Brahmaṇ*, refutation of *māya*, *aprthaksiddhi pariṇāmovāda*, *Jiva*, *bhakti and prapatti*, *Brahma-Pariṇāmovāda*, *Sat-khyāti*.
- **Dvaita** : Rejection of *nirguṇa brahmaṇ* and *māya*, *bheda* and *sāksi*, *bhakti*.
- **Dvaitavāita**: Concept of *Jñānaswaroop*, kinds of inanimate
- **Sudhadvaita**: Concept of *Avikṛta-pariṇāmovāda*.

Unit-2 : Classical Western: Ancient, Medieval, and Modern : Epistemology and Metaphysics

Pre-Socratic Philosophers: Thales, Anaxagoras, Anaximenes, Ionians, Pythagoras, Parmenides, Heraclitus and Democritus,

The Sophists and Socrates

Plato and Aristotle:

- Plato – Theory of knowledge, knowledge and opinion, theory of Ideas, the method of dialectic, soul and God.
- Aristotle – Classification of the sciences, the theoretical, the practical and the productive, logic as an organon, critique of Plato's theory of Ideas, theory of causation, form and matter, potentiality and actuality, soul and God.

Medieval Philosophy:

- St. Augustine: Problem of Evil.
- St. Anselm: Ontological argument.
- St. Thomas Aquinas: Faith and Reason, Essence and Existence, the Existence of God.

Modern Western Philosophy:

- **Descartes** : Conception of method , Criteria of truth, doubt and methodological scepticism, *cogito ergo sum*, innate ideas, Cartesian dualism: mind and matter, proofs for the existence of God, interactionism.
- **Spinoza** : Substance, Attribute and Mode, the concept of 'God or Nature', Intellectual love of God, parallelism, pantheism, three orders of knowing.
- **Leibnitz** : Monadology, truths of reason and fact, innateness of ideas, proofs for the existence of God, principles of non – contradiction, sufficient reason and identity of indiscernibles, the doctrine of pre -established harmony, problem of freedom.

Shame

- **Locke** : Ideas and their classification, refutation of innate ideas, theory of substance, distinction between primary and secondary qualities, theory of knowledge, three grades of knowledge.
- **Berkeley** : Rejection of the distinction between primary and secondary qualities, Immaterialism, critique of abstract ideas, *esse est percipi*, the problem of solipsism; God and self.
- **Hume** : Impressions and ideas, knowledge concerning relations of ideas and knowledge concerning matters of fact, induction and causality, the external world and the self, personal identity, rejection of metaphysics, scepticism, reason and the passions.
- **Kant** : The critical philosophy, classification of judgements, possibility of synthetic a priori judgements, the Copernican revolution, forms of sensibility, categories of understanding, the metaphysical and the transcendental deduction of the categories, phenomenon and noumenon, the Ideas of Reason – soul, God and world as a whole, rejection of speculative metaphysics.
- **Hegel** : The conception of *Geist* (spirit), the dialectical method, concepts of being, non – being and becoming, absolute idealism, Freedom.

Unit – 3 : Indian Ethics

- Concept of *Purusārtha, Śreyas and Preyas*
- *Varṇāshrama, Dharma, Sādhāraṇa Dharma*
- *Ṛta and yajña*, Concept of duty
- *Karma-yoga, Sthitprajña, Svadharma, Lokasamgraha*
- Apurva and Adṛṣṭa
- Sādhya-Sādhana, Itikartavyata
- Law of *Karma*: ethical implications
- *Ṛta and Satya*
- *Yoga-kṣema*
- *Astāṅga Yoga*
- Jainism: *Samvara-nirjarā, Tri-ratna, Panch-vrata.*
- Buddhism: *Upāya-Kaushal, Brahma-vihāra: matri, karuṇā, muditā, upeksha, bodhi-sattva*
- Carvaka's Hedonism

Unit – 4 : Western Ethics

- Concepts of Good, right, justice, duty, obligation, cardinal virtues, *Eudaemonism*, Intuition as explained in Teleological and Deontological Theories.
- Egoism, Altruism, Universalism
- Subjectivism, Cultural Relativism, Super-naturalism.
- Ethical realism and Intuitionism,
- Kant's moral theory: Postulates of morality, Good-will, Categorical Imperative, Duty, Mean and ends, Maxims.

Shames

- Utilitarianism: principle of utility, problem of sanction and justification of morality, kinds of utilitarianism, Moral theories of Bentham, J. S. Mill, Sidgwick
- Theories of Punishment
- Ethical cognitivism and non-cognitivism: Emotivism, Prescriptivism, Descriptivism

Unit- 5 : Contemporary Indian Philosophy

Swami Vivekananda: Practical Vedanta, Universal Religion, Religious Experience, Religious Rituals

Sri Aurobindo: Evolution, mind and supermind, Integral Yoga

Muhammad Iqbal: Self, God, man and superman, Intellect and Intuition

Rabindranath Tagore: Religion of man, ideas on education, Concept of Nationalism

K. C. Bhattacharyya: *Swaraj* in ideas, Concept of Philosophy, subject as Freedom, the doctrine of *Maya*.

Sarvepalli Radhakrishnan: Intellect and intuition, the Idealist view of life, concept of Universal Religion, Hindu view of life.

J. Krishnamurti: Conception of thought, Freedom from the known, analysis of self, Choiceless awareness

Mahatma Gandhi: Truth, Non-violence, *satyagraha*, *swaraj*, critique of modern civilization.

Bhim Rao Ambedkar: Annihilation of caste, philosophy of Hinduism, Neo-Buddhism

Deendayal Upadhyaya: Integral Humanism, Advaita Vedanta, Purusartha

Narayana Guru: the spiritual freedom and social equality, one caste, one religion, one God.

Thiruvalluvar: Tirukkural

Jyotiba Phule: Critical understanding of Caste-system.

M. N. Roy: Radical Humanism, Materialism

Maulana Azad: Humanism

Sant Kabi Bhima Bhol : Socio – Ethical perspective of Mahima Dharma

Swami Dayanand Saraswati : Reconciliation of the six systems of Indian Philosophy, Traitavada - (God, Self and Nature)

Unit-6 : Recent Western Philosophy

Analytic and Continental Philosophy:

Frege: Sense and Reference

Logical Positivism: Verification theory of meaning, Elimination of metaphysics, concept of Philosophy

Shame

Moore: Distinction between Sense and Reference, Refutation of Idealism, Defense of common-sense, Proof of an External World.

Russell: Logical Atomism, Definite Descriptions, Refutation of Idealism

Wittgenstein: Language and Reality, Facts and objects, names and propositions, the picture theory, critique of private language, meaning and use, forms of life, notion of philosophy, Wittgensteinian Fideism, *On Certainty*.

Gilbert Ryle: Systematically misleading expressions, category mistake, concept of mind, critique of Cartesian dualism

A. J. Ayer: The Problem of Knowledge

W.V.O. Quine: Two Dogmas of Empiricism

H.P. Grice and P.F. Strawson: In Defense of a dogma

Phenomenology and Existentialism:

Husserl: Phenomenological Method, Philosophy as a rigorous science, Intentionality, Phenomenological Reduction, Inter-subjectivity

Heidegger: The concept of Being (*Dasein*), Man as being in the world, critique of technological civilization

Kierkegaard: Subjectivity as Truth, Leap of faith

Sartre: Concept of Freedom, Bad-faith, Humanism

Morleau-Ponty: Perception, Embodied Consciousness

Pragmatism:

William James: Pragmatic Theories of Meaning and Truth, Varieties of Religious experience

John Dewey: Concept of Truth, Common-faith, education

Post-Modernism:

Nietzsche: Critique of Enlightenment, Will to Power, Genealogy of Moral

Richard Rorty: Critique of representationalism, Against Epistemological method, Edifying Philosophy

Immanuel Levinas: Ethics as a first philosophy, Philosophy of 'other'

Unit-7 : Social and Political Philosophy: Indian

Mahabharata: *Danda-niti*, foundations, *Rajdharma*, Law and Governance, Narada's Questions to King Yudhisthir

Kautilya: Sovereignty, Seven Pillars of State-craft, State, Society, Social-life, State administration, State economy, law and justice, internal security, welfare and external affairs

Kamandaki: Social order and State elements

Constitutional Morality, Secularism and Fundamental Rights

Constitutionalism, Total revolution, terrorism, *Swadeshi*, Satyagrah, Sarvodaya, Social Democracy, State Socialism, Affirmative Action, Social Justice

Social Institutions: Family, Marriage, property, education and religion

Colonialism

Shame

Unit- 8 : Social and Political Philosophy: Western

Plato: Ideal State and Justice

Locke, Hobbes, Rousseau: Social Contract Theory

Isaiah Berlin: Conceptions of Liberty

Bernard Williams: Idea of Equality

Liberalism: Rawls; Distributive justice, Nozick; Justice as Entitlement, Dworkin; Justice as equality; Amartya Sen: Global Justice, Freedom and Capability.

Marxism: Dialectical Materialism, Alienation, Critique of Capitalism, Doctrine of Class Struggle and Classless Society.

Communitarianism: Communitarian critique of liberal self, Universalism Vs. Particularism, Theory of Charles Taylor, MacIntyre, Michael Sandel

Multiculturalism: Charles Taylor; Politics of recognition, Will Kymlicka; conception of Minority Rights

Feminism: Basic Concepts: Patriarchy, misogyny, Gender, Theories of Feminism; Liberal, Socialist, radical and eco-feminism

Unit- 9 : Logic

Truth and Validity

Denotation and Connotation

Nature of Propositions

Categorical Syllogism

Laws of thought

Classification of Propositions

Square of Opposition

Truth-Functions and Propositional Logic

Quantification and Rules of Quantification

Symbolic Logic: Use of symbols

Decision Procedures: Truth Table, Using Truth- Tables for testing the validity of arguments

Venn Diagram, informal and formal Fallacies

Proving Validity, Argument and Argument-form

Axiomatic System, Consistency, Completeness

Differences between Deductive and Inductive Logic

Unit- 10 : Applied Philosophy

What is applied Philosophy?

Philosophy of Technology; technology, dominance, power and social inequalities

Democratization of Technology

Public evaluation of science and technology



Ethical Implication of information technology, bio-technology, non-technology
Environmental Ethics: Nature as means or end, Aldo-Leopold; land-ethics, Arne Naess: Deep Ecology, Peter Singer; Animal Rights
Medical-Ethics: Surrogacy, Doctor-patient relationship, abortion, euthanasia, female-infanticide
Professional Ethics: Corporate Governance and ethical responsibility
Media Ethics: ethical issues in Privacy, cyber space, pornography, representation and differences-marginalization
Legal Ethics: law and morality, Legal Obligation, Authority and Validity of Law
Philosophical Counseling: Managing everyday problems

Shamp